

**28 फरवरी 2024 : समाचार विश्लेषण**

**A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:**

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

**B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:**

**सामाजिक न्याय:**

- सर्वोच्च न्यायालय ने पतंजलि, एमडी बालकृष्ण को अवमानना नोटिस जारी किया:

**C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:**

**विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी:**

- वर्ष 2035 तक भारत के पास अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा: मोदी

**D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:**

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

**E. संपादकीय:**

**अर्थव्यवस्था:**

1. डिकोडिंग खर्चः

**विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी:**

1. सत्ता का बोझः

**अंतर्राष्ट्रीय संबंधः**

1. यूक्रेन में पश्चिमी सैनिकों पर मैक्रों के संकेतों से यूरोपीय संघ सतर्कः

**F. प्रीलिम्स तथ्यः**

1. '10,000 जीनोम' परियोजना पूरी हो गईः सरकार
2. सिमिलिपाल राष्ट्रीय उद्यान में और बाघिन की आवश्यकता हैः
3. रेलवे ने 'पैसेंजर ट्रेन' का किराया बहाल कियाः
4. वह पौधा जो अकेला रहना चाहता हैः

**G. महत्वपूर्ण तथ्यः**

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

**H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:****I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:**

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

सर्वोच्च न्यायालय ने पतंजलि, एमडी बालकृष्ण को अवमानना नोटिस जारी किया:

सामाजिक न्याय:

विषय: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

मुख्य परीक्षा: स्वास्थ्य क्षेत्र से संबंधित मुद्दे।

विवरण:

- भारत के सर्वोच्च न्यायालय (Supreme Court of India) ने पतंजलि आयुर्वेद और उसके प्रबंध निदेशक, आचार्य बालकृष्ण को अवमानना नोटिस जारी करके भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है।
- यह कार्बवाई नवंबर में पतंजलि द्वारा अदालत को दिए गए आश्वासन के बावजूद इंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 के उल्लंघन की प्रतिक्रिया के रूप में की गयी है।

कानूनी सीमाओं का उल्लंघन:

- मोटापा, रक्तचाप और अस्थमा जैसी विभिन्न स्थितियों के लिए "स्थायी राहत" देने का दावा करने वाले पतंजलि के विज्ञापनों ने न्यायाधीशों के बीच गंभीर चिंताएँ पैदा कर दीं।
- अदालत ने ऐसे दावों को 1954 के अधिनियम का उल्लंघन माना, जिसमें औषधीय उत्पादों के विज्ञापन में कानूनी मानकों के पालन की आवश्यकता पर जोर दिया गया था।

न्यायालय की चेतावनी और सरकार की प्रतिक्रिया:

- अदालत ने पतंजलि के उल्लंघनों के खिलाफ की गई किसी भी कार्रवाई के संबंध में केंद्र से स्पष्टीकरण मांगा है, जिसका प्रतिनिधित्व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने किया।
- सरकार ने अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों को लागू करने में राज्यों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए एक व्यापक हलफनामा दायर करने का वादा किया।
- कोर्ट के निर्देशों के बावजूद पतंजलि ने कोर्ट के आदेश के एक दिन बाद बाबा रामदेव के नेतृत्व में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की।
- रामदेव के जुड़ाव के बारे में कंपनी की अस्पष्ट प्रतिक्रिया ने न्यायाधीशों की भाँहें चढ़ा (आश्चर्य या हल्की अस्वीकृति) दी।
- सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि और उसके प्रबंध निदेशक को दो सप्ताह के भीतर अवमानना नोटिस पर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।
- इसके अतिरिक्त, अदालत ने पतंजलि को 1954 अधिनियम और उसके नियमों में उल्लिखित विशिष्ट बीमारियों या विकारों के इलाज के रूप में अपने उत्पादों का विज्ञापन करने से रोक दिया।
- अदालत ने पतंजलि से जुड़े सभी हितधारकों को प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से किसी भी चिकित्सा प्रणाली के बारे में प्रतिकूल बयान देने के प्रति आगाह किया है।

#### निष्कर्ष:

- सुप्रीम कोर्ट का सतर्क दृष्टिकोण फार्मास्युटिकल उद्योग में नैतिक विज्ञापन प्रथाओं के महत्व को रेखांकित करता है। यह कार्रवाई कंपनियों को अपने विपणन प्रयासों में कानूनी और नैतिक मानकों को बनाए रखने के लिए एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करती है।
- जैसे ही मामला सामने आया, यह उपभोक्ता संरक्षण सुनिश्चित करने और स्वास्थ्य देखभाल विज्ञापन के क्षेत्र में अखंडता बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का संकेत देता है।

- 19 मार्च को अदालत का फैसला संभवतः फार्मास्युटिकल क्षेत्र में विज्ञापनों को विनियमित करने के लिए एक मिसाल कायम करेगा।

**सारांश:**

- सुप्रीम कोर्ट ने आश्वासन के बावजूद भ्रामक विज्ञापनों के जरिए इग्स एंड मैजिक रेमेडीज एक्ट का उल्लंघन करने पर पतंजलि आयुर्वेद और उसके एमडी को अवमानना नोटिस जारी किया। पतंजलि ने इलाज का दावा करने से परहेज किया और अन्य चिकित्सा प्रणालियों की निंदा करने के प्रति आगाह किया; स्वास्थ्य देखभाल में नैतिक विज्ञापन के लिए एक मिसाल कायम करते हुए, अदालत प्रतिक्रियाओं का इंतजार कर रही है।

**सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:**

**वर्ष 2035 तक भारत के पास अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा: मोदी**

**विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी:**

**विषय: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई प्रौद्योगिकी का विकास।**

**मुख्य परीक्षा: स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशन।**

**विवरण:**

- हाल ही में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के गगनयान मिशन (Gaganyaan mission) के लिए चुने गए अंतरिक्ष यात्रियों के नामों का खुलासा किया, जो देश के अंतरिक्ष प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।
- विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में अपने संबोधन के दौरान, मोदी ने भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष दृष्टिकोण का अनावरण किया, जिसमें एक अंतरिक्ष स्टेशन, चंद्र अन्वेषण और शुक्र की ओर बढ़ने की योजना शामिल है।

**2035 तक भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन:**

- प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष अन्वेषण और तकनीकी प्रगति के लिए देश की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए वर्ष 2035 तक अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने के भारत के लक्ष्य की घोषणा की हैं।
- यह पहले वैश्विक अंतरिक्ष क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने की भारत की आकांक्षाओं का प्रतीक है।

### **चंद्र अन्वेषण और चालक दल मिशन:**

- भारत 2040 तक चंद्रमा की सतह से नमूने प्राप्त करने और चालक दल मिशन संचालित करने की योजना के साथ चंद्र अन्वेषण शुरू करने के लिए तैयार है।
- मोदी ने भारत की वैज्ञानिक क्षमताओं को आगे बढ़ाने और ब्रलांड के बारे में मानवता की समझ में योगदान देने में इन मिशनों के महत्व पर प्रकाश डाला।
- प्रधान मंत्री ने गगनयान परियोजना में अपने प्रयासों के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की प्रशंसा की और मिशन उपकरणों के स्वदेशी उत्पादन की सराहना की।
- उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मिशन के लिए अधिकांश उपकरण भारत में बनाए गए थे, जो अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में देश की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाता है।
- गगनयान भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाएगा, जो शीर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने की देश की आकांक्षाओं के साथ मेल खाएगा।
- यह परियोजना वैज्ञानिक अन्वेषण और नवाचार की सीमाओं को आगे बढ़ाने के भारत के दृढ़ संकल्प का प्रतीक है।

### **निष्कर्ष:**

- प्रधान मंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की अंतरिक्ष दृष्टि अंतरिक्ष अन्वेषण और तकनीकी कौशल के एक नए युग का संकेत देती है, जो देश को वैश्विक अंतरिक्ष समुदाय में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करती है।

**सारांश:**

- प्रधान मंत्री मोदी ने भारत की महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष दृष्टि की घोषणा की, जिसमें 2035 तक एक अंतरिक्ष स्टेशन, चंद्र अन्वेषण और 2040 तक चालक दल मिशन की योजना शामिल है। उन्होंने गगनयान मिशन के लिए चयनित अंतरिक्ष यात्रियों का अनावरण किया, इससे की प्रगति की सराहना की और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और अन्वेषण में भारत के बढ़ते कद पर जोर दिया।

**संपादकीय-द हिन्दू****संपादकीय:****डिकोडिंग खर्च:****सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:****अर्थव्यवस्था:**

**विषय:** भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, संवृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

**मुख्य परीक्षा:** वित्त वर्ष 2022-23 घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण का उपभोग पैटर्न, मुदास्फीति के रूझान पर प्रभाव।

**विवरण:**

- सांख्यिकी मंत्रालय ने अगस्त 2022 से जुलाई 2023 तक आयोजित घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण के निष्कर्ष जारी किए, जो वित्त वर्ष 2011-12 के बाद पहले प्रमुख सर्वेक्षण-आधारित आंकड़े हैं।
- एक दशक में एक बार होने वाली जनगणना के अभाव में यह रिलीज़ महत्वपूर्ण हो जाती है, जो घरेलू स्तर पर जमीनी हकीकतों की जानकारी देती है।

**ऐतिहासिक संदर्भ:**

- वित्त वर्ष 2017-18 का सर्वेक्षण जो एक समान रोजगार सर्वेक्षण था को, "गुणवत्ता के मुद्दों" के कारण खारिज कर दिया गया था, यह भारत की अनौपचारिक अर्थव्यवस्था पर विमुद्रीकरण ([demonetization](#)) और वस्तु एवं सेवा कर के परिणामों को दर्शाता है।
- वित्त वर्ष 2022-23 के सर्वेक्षण में पूर्वाग्रह हो सकते हैं, जो संभावित रूप से महामारी-प्रेरित प्रतिबंधों के बाद खपत के उत्साह को बढ़ा सकते हैं।

#### खपत के तरीके:

- सर्वेक्षण उपभोग पैटर्न में बदलाव का संकेत देता है, वित्त वर्ष 2011-12 के बाद से औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोक्ता व्यय (MPCE) शहरों में 33.5% और ग्रामीण भारत में 40.4% बढ़ गया है।
- सरकार इसकी व्याख्या बढ़ती आय, कम असमानता और गरीबी के स्तर में कमी के रूप में करती है, लेकिन चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि मुद्रास्फीति ([inflation](#)) और जीडीपी दरों से नीचे दिखाई देती है।

#### मुद्रास्फीति और खर्च के रुझान:

- कल्याणकारी योजनाओं से मुक्त वस्तुओं के अनुमानित मूल्यों के बावजूद, एमपीसीई (मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय) में मामूली वृद्धि हुई है।
- भोजन पर आनुपातिक खर्च ग्रामीण घरों में 50% से नीचे और शहरी घरों में 40% से कम हो गया है।
- अनाज में भारी गिरावट देखी गई है।
- हालाँकि, सर्वेक्षण पूरा होने से ठीक पहले खाद्य मुद्रास्फीति के बढ़ने के प्रभाव पर विचार करने की आवश्यकता है।

#### निष्कर्ष:

- दबी हुई मांग और मुद्रास्फीति के पिल्लप-फ्लॉप प्रभावों से मुक्त एक स्पष्ट तस्वीर प्राप्त करने के लिए, गरीबी, मुद्रास्फीति, या जीडीपी गणना में पुनर्गणना के लिए जुलाई में समाप्त होने वाले नए सर्वेक्षण के परिणामों की प्रतीक्षा करने की आवश्यकता है।

**सारांश:**

- वित्त वर्ष 2022-23 घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण उभरते उपभोग पैटर्न पर प्रकाश डालता है। हालाँकि सरकार व्यय में वृद्धि को सकारात्मक मानती है, जबकि मुद्रास्फीति के रुझानों पर विचार करते हुए सावधानीपूर्वक विश्लेषण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, और आर्थिक आकलन में सटीक पुनर्गणना के लिए आगामी जुलाई सर्वेक्षण का इंतजार करना चाहिए।

**सत्ता का बोझः****सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधितः****विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीः**

**विषयः** प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई प्रौद्योगिकी का विकास; अंतरिक्ष के क्षेत्र में सामान्य जागरूकता।

**मुख्य परीक्षा**: भारत के गगनयान मिशन का महत्व।

**विवरणः**

- प्रधानमंत्री ने भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन, गगनयान के लिए नामित अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैटन प्रशांत बालकृष्णन नायर सहित अन्य वायु सेना के पायलटों के नामों की अंतिम सूची की घोषणा की।
- इस मिशन का उद्देश्य भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को एक भारतीय रॉकेट पर पृथ्वी की निम्न कक्षा में भेजना है, जिसमें 2024 और 2025 के लिए परीक्षण उड़ानों की योजना है।

**गगनयान की प्रगति और स्वीकृतिः**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2018 में गगनयान को मंजूरी दी, इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए ₹ 10,000 करोड़ आवंटित किए।
- महामारी से संबंधित देरी और वाणिज्यिक प्रतिबद्धताओं जैसी चुनौतियों के बावजूद, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ([ISRO](#)) ने मिशन के साथ प्रगति की है, वर्ष 2024 और 2025 में दो परीक्षण उड़ानों का संकेत दिया है, जिसके बाद वर्ष 2025 में एक चालक दल लॉन्च किया जाएगा।

### **राजनीतिक प्रभाव और लोकतांत्रिक जांच:**

- इतने बड़े उपक्रम में राजनीतिक प्रभाव की संभावना को स्वीकार करते हुए, गगनयान को सिर्फ एक राजनीतिक रूप से प्रेरित उद्यम से कहीं अधिक होने की आवश्यकता है।
- भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 ([Indian Space Policy 2023](#)) इसरो को अंतरिक्ष में निरंतर मानव उपस्थिति के लिए अनुप्रयुक्त अनुसंधान, विकास और दीर्घकालिक रोडमैप पर ध्यान केंद्रित करने का आदेश देती है।
- यह आत्मान एक पारदर्शी औचित्य के लिए है जो सार्वजनिक जांच और बहस का सामना कर सके, और अंतरिक्ष अन्वेषण में लोकतांत्रिक संस्कृति को बढ़ावा दे सके।

### **निष्कर्ष:**

- इस प्रकार, गगनयान पूरी तरह से भू-राजनीतिक आकांक्षाओं और 'अंतरिक्ष महाशक्ति' के दर्जे की खोज से प्रेरित है। इसे वैज्ञानिक अन्वेषण, मानव क्षितिज का विस्तार करने और नए वैज्ञानिक और सामाजिक मूल्य बनाने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।
- इसका विशेष ध्यान या बल एक ऐसे परिप्रेक्ष्य को बनाए रखने पर है जो राष्ट्रवादी महत्वाकांक्षाओं से परे हो, लोकतांत्रिक अंतरिक्ष अन्वेषण की संस्कृति को बढ़ावा देते हुए वर्ष 2040 तक चंद्रमा पर उतरने के भारत के निर्देश के साथ संरेखित हो।

### **सारांश:**

- जैसे-जैसे भारत गगनयान मिशन के समापन के करीब पहुंच रहा है, वैसे वैसे इसका ध्यान राजनीतिक उद्देश्यों से हट जाना चाहिए। पारदर्शी औचित्य, सार्वजनिक जांच और लोकतांत्रिक अंतरिक्ष अन्वेषण की ओर एक सांस्कृतिक बदलाव पर जोर देते हुए, इसका लक्ष्य भू-राजनीतिक आकांक्षाओं से प्रेरित 'अंतरिक्ष महाशक्ति' की स्थिति पर वैज्ञानिक और सामाजिक मूल्य पर जोर देना है।

यूक्रेन में पश्चिमी सैनिकों पर मैक्रों के संकेतों से यूरोपीय संघ सतर्क:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: भारत के हितों पर भारतीय परिदृश्य पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियां और राजनीति का प्रभाव।

मुख्य परीक्षा: नाटो और रूस के बीच संभावित टकराव।

विवरण:

- फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रूसी आक्रमण ([Russian invasion](#)) के खिलाफ संघर्ष में यूक्रेन का समर्थन करने के लिए पश्चिमी जमीनी सेना भेजने से इनकार करके यूरोपीय सहयोगियों के बीच बेचैनी पैदा कर दी हैं।
- मैक्रों ने रूस को हराने के लिए सैनिकों की तैनाती सहित "वह सब कुछ करने" की आवश्यकता पर जोर दिया जो आवश्यक है।

नाटो के साथ टकराव:

- इसके जवाब में क्रेमलिन ने चेतावी दी की यदि पश्चिमी जमीनी सैनिकों को यूक्रेन भेजा गया तो नाटो ([NATO](#)) और रूस के बीच टकराव की "अनिवार्यता" होगी।
- यह कदम पश्चिमी राजनयिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण वर्जना को चुनौती देगा।

आम सहमति का अभाव:

- मैक्रों ने स्वीकार किया कि यूक्रेन में पश्चिमी जमीनी सेना (थल सेना) भेजने पर "कोई सहमति नहीं" थी, लेकिन इस बात पर ज़ोर दिया कि रूस को युद्ध जीतने से रोकने के लिए किसी भी चीज़ से इंकार नहीं किया जा सकता है।
- स्नोवाक के प्रधान मंत्री रॉबर्ट फिको ने इस मुद्दे पर यूरोपीय नेताओं के बीच मतभेद को उजागर किया, जबकि नाटो में शामिल होने के लिए तैयार स्वीडन के प्रधान मंत्री उल्फ क्रिस्टरसन ने संदेह व्यक्त किया।
- जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ ने प्रारंभिक समझौते की पुष्टि की कि यूरोपीय या नाटो देश यूक्रेनी धरती पर सैनिक नहीं भेजेंगे।

### मैक्रों का दोषसिद्धि:

- मैक्रों इस बात को लेकर आश्वस्त रहे कि रूस की हार यूरोपीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है, जो संघर्ष में रूस के नुकसान को सुनिश्चित करने के लिए कोई भी आवश्यक कार्रवाई करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

### सारांश:

- रूस के खिलाफ यूक्रेन की सहायता के लिए पश्चिमी जमीनी सैनिकों को तैनात करने के लिए फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों का खुलापन यूरोपीय सहयोगियों और क्रेमलिन चेतावनी से सावधानी/एहतियात बरतता है। यदि सेना यूक्रेन में प्रवेश करती है तो यह संभावित नाटो-रूस टकराव बढ़ने के बारे में चिंता पैदा करता है।

### प्रीलिम्स तथ्य:

1.'10,000 जीनोम' परियोजना पूरी हो गई: सरकार

### प्रसंग:

- भारत की '10,000 जीनोम' परियोजना का पूरा होना देश के वैज्ञानिक प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

**मुद्दा:**

- जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के नेतृत्व में, इस पहल का उद्देश्य पूरे भारत में विविध जनसंख्या समूहों से उत्पन्न होने वाले संपूर्ण-जीनोम अनुक्रमों का एक व्यापक संदर्भ डेटाबेस संकलित करना है।
- 2006 में भारत में संपूर्ण मानव जीनोम के अग्रणी अनुक्रमण के बाद से, देश की जनसंख्या विविधता को दर्शाने वाले डेटाबेस की आवश्यकता स्पष्ट हो गई है।
- भारत की 1.3 अरब जनसंख्या में 4,600 से अधिक विशिष्ट जनसंख्या समूहों के साथ, आनुवंशिक परिदृश्य अविश्वसनीय रूप से समृद्ध और विविध है।
- कई समूहों के बीच अंतर्विवाही प्रथाओं ने विशिष्ट समुदायों के भीतर अद्वितीय विविधताओं और रोग पैदा करने वाले उत्परिवर्तनों के विस्तार में योगदान दिया है।

**महत्व:**

- इस महत्वाकांक्षी परियोजना के परिणाम दूरगामी हैं। उनमें निदान विधियों को बढ़ाना, रोगों के प्रति आनुवंशिक प्रवृत्तियों की पहचान करना, वैयक्तिकृत दवाएं विकसित करना, जीन थेरेपी में सुधार करना और संक्रामक रोगों के प्रति व्यक्तिगत संवेदनशीलता पर प्रकाश डालना शामिल है। जैसे ही भारत जीनोम अनुक्रमण प्रयासों में अन्य देशों के साथ जुड़ता है, यह पहल विविध आबादी के अनुरूप सटीक चिकित्सा और वैज्ञानिक प्रगति के एक नए युग की शुरुआत करती है।

**2. सिमिलिपाल राष्ट्रीय उद्यान में और बाधिन की आवश्यकता हैं:****प्रसंग:**

- सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व (Similipal Tiger Reserve (STR)) में छद्म मेलेनिस्टिक बाघों की व्यापकता पर ओडिशा सरकार की चिंता बाघों की आबादी के भीतर प्रजनन की चुनौतियों को रेखांकित करती है।

### सम्बन्धित जानकारी:

- ओडिशा के जंगलों में पाए जाने वाले 30 बाघों में से 13 वयस्क बाघों के छद्म-मेलेनिस्टीक लक्षण नजर आ रहे हैं- जो चौड़ी, मिश्रित धारियों द्वारा चिह्नित हो रहे हैं-इस स्थिति के तत्काल उपायों पर विचार किया जा रहा है।
- अन्य क्षेत्रों से मादा बाघों को लाने के लिए राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) से संपर्क करने के राज्य के निर्णय का उद्देश्य प्रजनन प्रभावों को कम करना और आनुवंशिक विविधता को बढ़ाना है।
- ऑल ओडिशा टाइगर एस्टीमेशन (एओटीई 2023-24) रिपोर्ट इस मुद्दे को संबोधित करने की तात्कालिकता पर प्रकाश डालती है।
- प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) सुशांत नंदा, एसटीआर में अन्य क्षेत्रों से मादा बाघों की शुरूआत शुरू करने से पहले सावधानीपूर्वक अध्ययन की आवश्यकता पर जोर देते हैं।
- आणविक पारिस्थितिकीविद् उमा रामकृष्ण के नेतृत्व में एक अध्ययन से पता चलता है कि एसटीआर में लगभग 37% बाघों में छद्म-मेलेनिस्ट लक्षण दिख रहे हैं, जो इस मुद्दे की सीमा को दर्शाते हैं।
- सिमिलिपाल के व्यापक वन क्वरेज के बावजूद, बाघ पृथक आवासों तक ही सीमित रहते हैं, जिससे आनुवंशिक हस्तक्षेप की आवश्यकता पर और अधिक बल मिलता है।

### महत्व:

- सरकार का सक्रिय दृष्टिकोण भारत की समृद्ध जैव विविधता (biodiversity) को संरक्षित करने और बाघों की आबादी की दीर्घकालिक व्यवहार्यता सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता का संकेत देता है।

### 3. रेलवे ने 'पैसेंजर ट्रेन' का किराया बहाल किया:

#### प्रसंग:

- यात्रियों के लिए एक स्वागत योग्य कदम में, भारतीय रेलवे ने पहले "एक्सप्रेस स्पेशल" या "मेमू एक्सप्रेस" के रूप में वर्गीकृत कुछ ट्रेनों के लिए द्वितीय श्रेणी के साधारण किराए को बहाल कर दिया है।

#### मुद्दा:

- लॉकडाउन के बाद, रेलवे ने यात्री ट्रेनों की अवधारणा को चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दिया था, उनके नामकरण में बदलाव किया था और सामान्य श्रेणी के किराए को समाप्त कर दिया था।
- इसके परिणामस्वरूप न्यूनतम टिकट मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जिसे एक्सप्रेस ट्रेन के किराए के साथ संरेखित करते हुए 10 रुपये से बढ़ाकर 30 रुपये कर दिया गया।
- किराए में बदलाव और यात्रियों पर उनके प्रभाव के बारे में उठाई गई चिंताओं के बाद, रेलवे अधिकारियों ने इस मुद्दे पर तेजी से प्रतिक्रिया दी।
- द हिंदू की एक रिपोर्ट में बढ़े हुए किराए के साथ यात्री ट्रेनों के पुनः नामकरण पर प्रकाश डालने के बाद, रेलवे बोर्ड ने एक समीक्षा बैठक बुलाई।
- नतीजतन, सभी जोनल रेलवे को दूसरे दर्जे के सामान्य किराए को बहाल करते हुए पिछले किराए के ढांचे पर लौटने के लिए एक चेतावनी जारी की गई थी।
- यह निर्णय कई यात्रियों, विशेष रूप से उन लोगों के लिए एक राहत के रूप में आया है जो अपने दैनिक आवागमन के लिए यात्री ट्रेनों पर निर्भर हैं।

**महत्व:**

- द्वितीय श्रेणी के साधारण किराए को बहाल करके, भारतीय रेलवे का लक्ष्य समाज के सभी वर्गों के लिए ट्रेन यात्रा की उचित और किफायती पहुंच सुनिश्चित करना है। यह जनता की चिंताओं के प्रति रेलवे अधिकारियों की जवाबदेही और देश भर में सुलभ और समावेशी परिवहन सेवाएं प्रदान करने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

**4. वह पौधा जो अकेला रहना चाहता है:****प्रसंग:**

- टच-मी-नॉट पौधा, जिसे वैज्ञानिक रूप से मिमोसा पुडिका (Mimosa pudica) के नाम से जाना जाता है, स्पर्श के प्रति अपनी आकर्षक प्रतिक्रिया से पर्यवेक्षकों को आकर्षित करता है।

**सम्बन्धित जानकारी:**

- जब इसे छुओ तो इसकी द्विपक्षी मिश्रित पत्तियाँ एक उल्लेखनीय सिकुड़न प्रतिक्रिया प्रदर्शित करती हैं, जो वनस्पति विज्ञानियों और प्रकृति प्रेमियों की जिजासा को समान रूप से आकर्षित करती हैं।
- इस अनूठी घटना का श्रेय पौधे की पत्तियों की विशेष संरचना को दिया जाता है, विशेष रूप से पुल्विनस नामक एक बढ़े हुए आधार की उपस्थिति को।
- पुल्विनस में दो अलग-अलग हिस्से शामिल हैं: पतली-दीवार वाली पैरेन्काइमा कोशिकाओं और बड़े अंतरकोशिकीय रिक्त स्थान के साथ निचला आधा, और ऊपरी भाग में थोड़ी मोटी दीवार वाली पैरेन्काइमा कोशिकाएँ और कम अंतरकोशिकीय स्थान होते हैं।
- छूने पर एक स्पर्श उत्तेजना पुल्विनस तक पहुंचती है, जिससे निचले आधे हिस्से में आसमाटिक दबाव में कमी आती है।

- नतीजतन, जल को अंतःकोशिकीय स्थान में छोड़ा जाता है, जिससे कोशिका में शिथिलता हो जाती है।
- इस बीच, ऊपरी आधा हिस्सा स्फीति बनाए रखता है, जिससे दबाव असंतुलन पैदा होता है जिससे पत्तियां झुक जाती हैं, जिससे पौधे की विशिष्ट सिकुड़न प्रतिक्रिया उत्पन्न होती है। (किसी पादप कोशिका में परासरण के समय, अधिक परासरण की स्थिति में जीवद्रव्य कला द्वारा कोशिका भित्ति के ऊपर डाला गया दाब स्फीति दाब कहलाता है।)
- टच-मी-नॉट पौधे के पत्तों में पुल्विनस नामक समान सूजे हुए आधार होते हैं, जो एक तह प्रक्रिया शुरू करके स्पर्श उत्तेजनाओं पर भी प्रतिक्रिया करते हैं, जो समग्र सिकुड़न प्रतिक्रिया में योगदान करते हैं।

**महत्व:**

- स्पर्श करने पर पौधे की सिकुड़ने की अनूठी क्षमता प्रकृति के जटिल तंत्र के एक मनोरम उदाहरण के रूप में कार्य करती है और दुनिया भर के वनस्पतिविदों और शोधकर्ताओं के बीच रुचि और अध्ययन को जारी रखती है।

**महत्वपूर्ण तथ्य:**

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

**UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:****प्रश्न 1. निम्नलिखित फसलों पर विचार कीजिए:**

1. कपास
2. सरसों
3. चावल
4. गेहूँ

उपर्युक्त में से कौन सी रबी की फसलें हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 2 और 4
- (d) केवल 1, 3 और 4

उत्तर: c

व्याख्या:

- रबी फसलें वे फसलें हैं जो सर्दियों के मौसम में बोई जाती हैं, आमतौर पर अक्टूबर से दिसंबर के बीच, और वसंत ऋतु में काटी जाती हैं।
- सूचीबद्ध फसलों में, सरसों और गेहूं रबी फसलें हैं क्योंकि इन्हें सर्दियों के महीनों में बोया जाता है और वसंत ऋतु में काटा जाता है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. कोमोडो या बहुपक्षीय नौसेना अभ्यास कोमोडो (MNEK) सेशेल्स की नौसेना द्वारा किये जाने वाला एक वार्षिक सैन्य अभ्यास है।
2. चक्रवत (CHAKRAVAT) अभ्यास में भारतीय सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय वायु सेना, अर्धसैनिक बलों के साथ-साथ कई आपदा प्रतिक्रिया संगठनों और गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी शामिल होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: b

व्याख्या:

- कोमोडो (KOMODO) वास्तव में इंडोनेशिया द्वारा आयोजित एक बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास है।

**प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. भारत का पहला 99.99% शुद्ध हरित हाइड्रोजन संयंत्र पश्चिम बंगाल में ऑयल इंडिया लिमिटेड (OIL) द्वारा चालू किया गया था।
2. इलेक्ट्रोलिसिस के माध्यम से परमाणु ऊर्जा से उत्पन्न हाइड्रोजन को गुलाबी हाइड्रोजन कहा जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

**उत्तर: b**

**व्याख्या:**

- भारत का पहला 99.99% शुद्ध हरित हाइड्रोजन संयंत्र ऑयल इंडिया लिमिटेड (OIL) द्वारा असम में स्थापित किया गया था, पश्चिम बंगाल में नहीं।

**प्रश्न 4. निम्नलिखित में से कौन सी जनजाति अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से संबंधित है?**

- (a) मालमिस
- (b) पुरिगपा
- (c) अपातानी
- (d) बलावा

**उत्तर: d**

**व्याख्या:**

- अंडमानी, बलावा, बोजीगियाब, जुवाई, कोल, जारवा, निकोबारी आदि जनजातियाँ अंडमान और निकोबार की हैं।

**प्रश्न 5. सेवा क्षेत्र उपागम किसके कार्यक्षेत्र के अधीन क्रियान्वित किया गया था ? PYQ (2019)**

- (a) एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम
- (b) लीड बैंक योजना
- (c) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना
- (d) राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन

**उत्तर: b**

**व्याख्या:**

- किसी विशेष क्षेत्र के सभी घरों में बैंकिंग सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा लीड बैंक योजना शुरू की गई थी। इस योजना के तहत, भारत के प्रत्येक जिले को एक या एक से अधिक अग्रणी बैंकों को सौंपा गया था जो उस जिले में बैंकिंग पहुंच हासिल करने और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए अन्य बैंकों के प्रयासों के समन्वय के लिए जिम्मेदार थे। सेवा क्षेत्र दृष्टिकोण लीड बैंक योजना का एक प्रमुख घटक था, जहां बैंकों को आबादी के सभी वर्गों को बैंकिंग सेवाएं और ऋण सुविधाएं प्रदान करने के लिए विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र (सेवा क्षेत्र) सौंपे गए थे।

**UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:**

**प्रश्न 1. अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत की हालिया प्रगति पर चर्चा कीजिए। ये घटनाक्रम अंतरिक्ष में भारत की महत्वाकांक्षाओं और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता की दिशा में उसके प्रयासों को कैसे दर्शाते हैं? (10 अंक, 150 शब्द) [जीएस-3, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी] (Discuss India's recent advancements in space exploration. How do these developments reflect India's ambitions in space and its efforts towards self-reliance in space technology? (10 marks, 150 words) [GS-3, Science & Technology])**

**प्रश्न 2. घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण के निष्कर्षों के निहितार्थ पर चर्चा कीजिए। ये निष्कर्ष भारत के आर्थिक प्रक्षेप पथ को कैसे प्रतिबिंबित करते हैं? साथ ही ये निष्कर्ष नीति निर्माताओं के लिए क्या चुनौतियाँ और अवसर प्रस्तुत करते हैं? (15 अंक, 250 शब्द) [जीएस-3, अर्थव्यवस्था] (Discuss the implications of the findings from the Household Consumption Expenditure Survey. How do these findings reflect on the economic trajectory of India? What challenges and opportunities do these findings present for policymakers? (15 marks, 250 words) [GS-3, Economy])**

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर BYJU'S की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)

